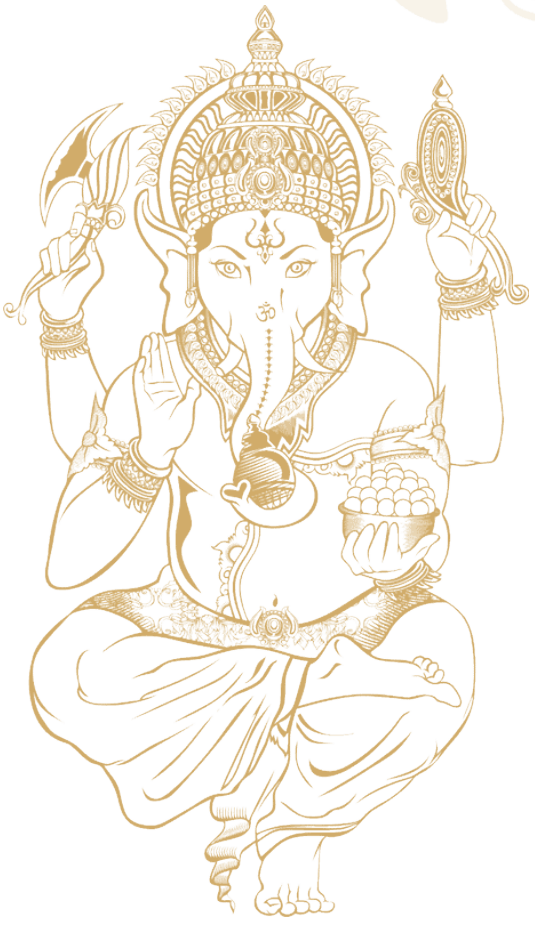

Mr.raghav jatwani

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121017103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/11/1997	जन्म तिथि	14/03/1997
शुक्र-शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:46:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 55:35:35	जन्म समय(घटी)	38:02:29 घटी
India	देश	India
Ballabgarh	स्थान	Panipat
28:20:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:19:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:44	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:31:45	सूर्योदय	06:33:36
17:36:02	सूर्यास्त	18:29:35
23:49:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 9मा 21दि	20:49:08	कन्या	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि
शनि	14:44:40	तुला	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु
23/08/2012	20:59:34	तुला	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010
23/08/2031	00:00:06	धनु	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028
शनि 26/08/2015	25:57:22	तुला	बुध	मीन	03:12:44	राहु 28/05/2013
बुध 06/05/2018	19:11:22	मक	गुरु	मक	17:52:22	गुरु 22/10/2015
केतु 14/06/2019	01:41:05	धनु	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि 28/08/2018
शुक्र 14/08/2022	21:26:07	मीन व	शनि	मीन	14:24:21	बुध 16/03/2021
सूर्य 27/07/2023	24:51:35	सिंह व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु 04/04/2022
चन्द्र 24/02/2025	24:51:35	कुंभ व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र 04/04/2025
मंगल 05/04/2026	11:02:30	मक	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य 26/02/2026
राहु 09/02/2029	03:30:03	मक	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र 28/08/2027
गुरु 23/08/2031	10:37:14	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल 15/09/2028

लग्न-चलित

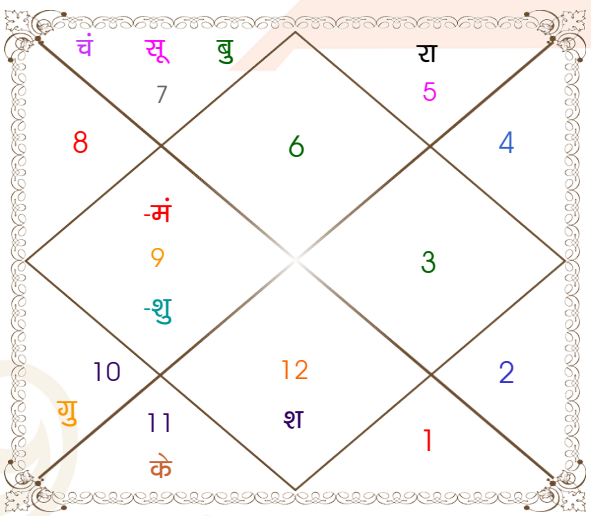

लग्न-चलित

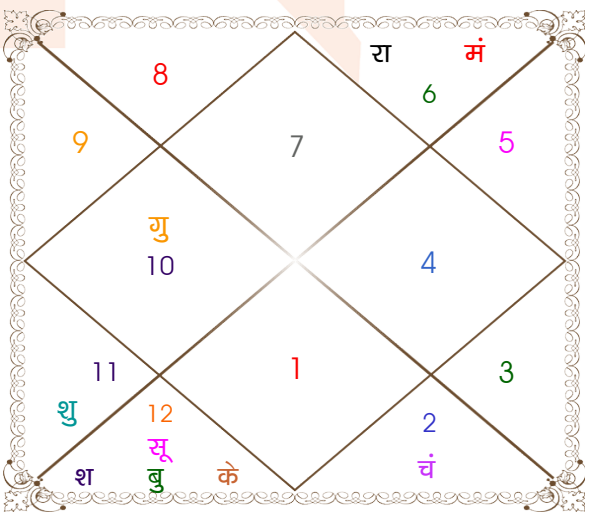

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	9.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.nirali का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr.raghav jatwani का वर्ग सर्प है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.raghav jatwani और Ms.nirali का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.raghav jatwani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr.raghav jatwani कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.raghav jatwani तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।